Dr.Sandhya Jha (Retd.)
Associate professor
Dept.of H.Sc.
MJM college Katihar.

Email- rkjha.katihar@gmail.com

Mob.- 9430522512

Letter No: .....

Date: 14/09/24

शोध प्रतिवेदन

शोधार्थी का नाम	-	**दीपा भारती**
विषय	-	**गृह विज्ञान**
संकाय	-	**सामाजिक विज्ञान**
शोध प्रबंध का शीर्षक	-	मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति (पूर्णिया जिले के विशेष संदर्भ में)
उपाधि	-	**पी- एच. डी.**
शोध निर्देशिका	-	**डॉक्टर संध्या झा (रिटायर्ड)** गृह विज्ञान विभाग एम.जे.एम. कॉलेज, कटिहार
सह- शोध निर्देशक	-	**प्रोफेसर (डॉ.) आर. डी. पासवान** अर्थशास्त्र विभाग, पूर्णिया कॉलेज पूर्णिया
विश्वविद्यालय का नाम	-	**पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया बिहार (854301)**

Dr. Sandhya Jha
Associate Professor
Department of Home Science
M.J.M. Mahila College, Katihar

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमती दीपा भारती द्वारा समर्पित शोध प्रबंध शीर्षक – " मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति (पूर्णिया जिले के विशेष संदर्भ में) मैंने पढ़ा यह शोध प्रबंध कुल सात अध्यायों में विभक्त है ।यह कार्य मौलिक प्रतीत होता है। मलिन बस्तियों में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति का विश्लेषण शोधार्थी ने सफलतापूर्वक किया है। शोध विषय का चयन औचित्यपूर्ण है।

प्रथम अध्याय- विषय प्रवेश के रूप में प्रस्तुत किया गया है जिसमें पूर्णिया जिले की ऐतिहासिक स्थिति एवं भारत में पूर्णिया जिले की भौगोलिक स्थिति का वर्णन किया गया है। जिसमें कुछ ऐतिहासिक एवं दार्शनिक स्थलों का भी जिक्र किया गया है, एवं शोधकर्ताओं के नजर में पूर्णिया जिले की वर्तमान स्थिति को भी स्पष्ट किया गया है।

द्वितीय अध्याय - में शोधार्थी ने पूर्णिया जिले की महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति का परिदृश्य का वर्णन स्पष्ट किया है। मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के लिए के लिए विभिन्न समस्याएं पैदा होती है, शहर की मलिन बस्तियों में उनकी जीवन शैली बहुत खराब हो जाती है, और महिलाएं अजीब परिवेश का शिकार बन जाती है। अधिकांश महिलाएं अशिक्षित रहतीं हैं, एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति अनभिज्ञ रहती हैं।

तृतीय अध्याय- में शोधार्थी ने पूर्णिया जिले की आर्थिक विकास एवं पिछड़ी अर्थव्यवस्था का एक परिचयात्मक दृष्टिकोण का वर्णन स्पष्टता पूर्वक किया है। जिले में मुख्य आर्थिक गतिविधि प्राथमिक क्षेत्र है जिसमें कृषि शामिल है। तृतीयक क्षेत्र, जिसमें मुख्य रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उद्योग शामिल हैं, तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है और राज्य के खजाने में इसका योगदान लगभग 46% है।

Dr. Sandhya Jha
Associate Professor
Department of Home Science

Scanned with OKEN Scanner

चतुर्थ अध्याय - में महिला श्रमिकों की घरेलू एवं संस्थाओं से संबंधित कार्यों की संरचना एवं स्थिति का वर्णन शोधार्थी ने स्पष्टता पूर्वक किया है। मनुष्य जिस वातावरण में रहता है उसका प्रभाव उसकी कार्यक्षमता व कार्यकुशलता पर पड़ता है। इस शोध के अध्ययन में व्यक्तिगत विशेषताओं के अंतर्गत निदर्श महिला श्रमिकों की आयु, जाति, धर्म, महिला श्रमिकों में शिक्षा का स्तर व उनकी वैवाहिक स्थिति को शामिल किया गया है |

पंचम अध्याय- में महिला श्रमिकों के उद्योगों एवं संस्थाओं की समस्याएं एवं समाधान पूर्णिया जिले के संदर्भ में शोधार्थी ने स्पष्ट किया है। उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़े एवं विश्लेषण का उल्लेख किया गया है। इस अध्याय में उत्तरदाताओं का परिचय ,जाति, धर्म ,लिंग ,व्यवसाय, शिक्षा के आधार पर दर्शाया गया है। 200 उत्तरदाताओं से "मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति (पूर्णिया जिले के विशेष संदर्भ में) से संबंधित प्रश्नों को पूछा गया है।

छठा अध्याय- में शोधार्थी ने सरकार द्वारा किए गए उपाय, सरकारी प्रयासों की समीक्षा एवं उनसे संबंधित संभावनाओं का वर्णन किया है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ,वन स्टॉप सेंटर योजना,महिला हेल्पलाइन योजना,स्वाधार गृह, नारी शक्ति पुरस्कार ,महिला शक्ति केंद्र,निर्भया फंड, महिला ए हाट,आर्थिक सशक्तिकरण के लिए इत्यादि सरकारी प्रयासों का जिक्र एवं समीक्षा किया है।

सातवां अध्याय - निष्कर्ष एवं सुझाव के रूप में है, जिसमें संपूर्ण शोध प्रबंध का समेकित मूल्यांकन एवं निष्कर्ष एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया है जो भविष्य में निश्चय ही मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों के जीवन को और बेहतर बनाने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

अतः यह एक सफल शोध प्रबंध है जिसमें शोधार्थी की सम्यक शोध दृष्टि एवं विषय की सापेक्षता परिलक्षित होती है। साक्षात्कार अनुसूची एवं निर्देशन पद्धति का प्रयोग इस शोध कार्य को विश्वसनीयता प्रदान करती है। इसके साथ ही सूचनादाताओं से साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से जानकारी लेते समय अवलोकन पद्धति का प्रयोग भी किया गया है।

Dr. Sandhya Jha
Associate Professor
Department of Home Science
M.J.M. Mahila College, Katihar

Scanned with OKEN Scanner

अंत में मैं अनुशंसा करती हूं, कि श्रीमती दीपा भारती को प्रस्तुत शोध प्रबंध के शीर्षक-

"मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति (पूर्णिया जिले के विशेष संदर्भ में)

का संतोषप्रद मौखिक परीक्षोप्रांत पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया, बिहार की पी- एच. डी. की उपाधि प्रदान की जा सकती है।

Dr. Sandhya Jha
Associate Professor
Department of Home Science
M.J.M. Mahila College, Katihar

शोध निर्देशिका –

डॉक्टर संध्या झा (रिटायर्ड)

गृह विज्ञान विभाग

एम.जे.एम. कॉलेज,कटिहार

Scanned with OKEN Scanner

PURNEA COLLEGE PURNEA(BIHAR) 854301

DEPARTMENT OF ECONOMICS

Prof. (Dr.) R. D. Paswan
Professor
Dept.of Economics
Purnea College, Purnea.
Mob.- 9934635742
Email- rdpaswan8@gmail.com

Date: 13.09.2024

Letter No:

शोध प्रतिवेदन

शोधार्थी का नाम	-	**दीपा भारती**
विषय	-	**गृह विज्ञान**
संकाय	-	सामाजिक विज्ञान
शोध प्रबंध का शीर्षक	-	मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति (पूर्णिया जिले के विशेष संदर्भ में)
उपाधि	-	**पी- एच. डी.**
शोध निर्देशिका	-	**डॉक्टर संध्या झा (रिटायर्ड)** गृह विज्ञान विभाग एम.जे.एम. कॉलेज, कटिहार
सह- शोध निर्देशक	-	**प्रोफेसर (डॉ.) आर. डी. पासवान** अर्थशास्त्र विभाग, पूर्णिया कॉलेज पूर्णिया
विश्वविद्यालय का नाम	-	**पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया बिहार (854301)**

Prof.(Dr.) R.D. Paswan
Department of Economics
Purnea College, Purnea

13-9-24

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमती दीपा भारती द्वारा समर्पित शोध प्रबंध शीर्षक – " मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति (पूर्णिया जिले के विशेष संदर्भ में) मैंने पढ़ा यह शोध प्रबंध कुल 7 अध्यायों में विभक्त है ।यह कार्य मौलिक प्रतीत होता है। मलिन बस्तियों में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति का विश्लेषण शोधार्थी ने सफलतापूर्वक किया है। शोध विषय का चयन औचित्यपूर्ण है।

प्रथम अध्याय- विषय प्रवेश के रूप में प्रस्तुत किया गया है जिसमें पूर्णिया जिले की ऐतिहासिक स्थिति एवं भारत में पूर्णिया जिले की भौगोलिक स्थिति का वर्णन किया गया है। जिसमें कुछ ऐतिहासिक एवं दार्शनिक स्थलों का भी जिक्र किया गया है, एवं शोधकर्ताओं के नजर में पूर्णिया जिले की वर्तमान स्थिति को भी स्पष्ट किया गया है।

द्वितीय अध्याय - में शोधार्थी ने पूर्णिया जिले की महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति का परिदृश्य का वर्णन स्पष्ट किया है। मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के लिए के लिए विभिन्न समस्याएं पैदा होती है, शहर की मलिन बस्तियों में उनकी जीवन शैली बहुत खराब हो जाती है, और महिलाएं अजीब परिवेश का शिकार बन जाती है। अधिकांश महिलाएं अशिक्षित रहतीं हैं, एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति अनभिज्ञ रहती हैं। इसके अतिरिक्त कई महिलाओं को आधुनिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य प्रणाली की मदद लेने में असमर्थता होती है।

तृतीय अध्याय- में शोधार्थी ने पूर्णिया जिले की आर्थिक विकास एवं पिछड़ी अर्थव्यवस्था का एक परिचयात्मक दृष्टिकोण का वर्णन स्पष्टता पूर्वक किया है। जिले में मुख्य आर्थिक गतिविधि प्राथमिक क्षेत्र है जिसमें कृषि शामिल है। तृतीयक क्षेत्र, जिसमें मुख्य रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उद्योग शामिल हैं, जो तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है और राज्य के खजाने में इसका योगदान लगभग 46% है। द्वितीयक क्षेत्र सबसे कम विकसित है और इसे किसी उल्लेखनीय बड़े उद्योग की कमी में देखा जा सकता है।

Prof.(Dr.) R.D. Paswan
Department of Economics
Purnea College, Purnea
13-9-21

Scanned with OKEN Scanner

चतुर्थ अध्याय - में महिला श्रमिकों की घरेलू एवं संस्थाओं से संबंधित कार्यों की संरचना एवं स्थिति का वर्णन शोधार्थी ने स्पष्टता पूर्वक किया है | मनुष्य जिस वातावरण में रहता है उसका प्रभाव उसकी कार्यक्षमता व कार्यकुशलता पर पड़ता है। इस शोध के अध्ययन में व्यक्तिगत विशेषताओं के अंतर्गत निदर्श महिला श्रमिकों की आयु, जाति, धर्म, महिला श्रमिकों में शिक्षा का स्तर व उनकी वैवाहिक स्थिति को शामिल किया गया है।

पंचम अध्याय- में महिला श्रमिकों के उद्योगों एवं संस्थाओं की समस्याएं एवं समाधान पूर्णिया जिले के संदर्भ में शोधार्थी ने स्पष्ट किया है | उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़े एवं विश्लेषण का उल्लेख किया गया है | इस अध्याय में उत्तरदाताओं का परिचय ,जाति, धर्म ,लिंग ,व्यवसाय, शिक्षा के आधार पर दर्शाया गया है | इतना ही नहीं 200 उत्तरदाताओं से "मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति (पूर्णिया जिले के विशेष संदर्भ में) से संबंधित प्रश्नों को पूछा गया है | इस आधार पर तथ्य संग्रह करके उसका सारणीकरण एवं वर्गीकरण किया गया है |

छठा अध्याय- में शोधार्थी ने सरकार द्वारा किए गए उपाय, सरकारी प्रयासों की समीक्षा एवं उनसे संबंधित संभावनाओं का वर्णन किया है | राष्ट्रीय पोषण नीति 1993,राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2001, बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ योजना ,वन स्टॉप सेंटर योजना,महिला हेल्पलाइन योजना,स्वाधार गृह, नारी शक्ति पुरस्कार ,महिला शक्ति केंद्र,निर्भया फंड, महिला ए - हाट,आर्थिक सशक्तिकरण के लिए 1.सशक्ति 2.स्वयं सिद्ध 3.स्वावलंबन इत्यादि सरकारी प्रयासों का जिक्र एवं समीक्षा किया है |

Prof.(Dr.) R.D. Paswan
Department of Economics
Purnea College, Purnea
13.9.24

Scanned with OKEN Scanner

सातवां अध्याय - निष्कर्ष एवं सुझाव के रूप में है, जिसमें संपूर्ण शोध प्रबंध का समेकित मूल्यांकन एवं निष्कर्ष एवं सुझाव प्रस्तुत किया गया है जो भविष्य में निश्चय ही मलिन बस्तियों में रहने वाली महिला श्रमिकों के जीवन को और बेहतर बनाने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा |

अतः यह एक सफल शोध प्रबंध है जिसमें शोधार्थी की सम्यक् शोध दृष्टि एवं विषय की सापेक्षता परिलक्षित होती है | साक्षात्कार अनुसूची एवं निर्देशन पद्धति का प्रयोग इस शोध कार्य को विश्वसनीयता प्रदान करती है | इसके साथ ही सूचनादाताओं से साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से जानकारी लेते समय अवलोकन पद्धति का प्रयोग भी किया गया है |

अंत में, मैं अनुशंसा करता हूं कि श्रीमती दीपा भारती को प्रस्तुत शोध प्रबंध के शीर्षक-

"मलिन बस्ती में रहने वाली महिला श्रमिकों की आर्थिक सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति (पूर्णिया जिले के विशेष संदर्भ में)

का संतोषप्रद मौखिक परीक्षोप्रांत पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया, बिहार की पी- एच. डी.की उपाधि प्रदान की जा सकती है |

Prof.(Dr.) R.D. Paswan
Department of Economics
Purnea College, Purnea

13.09.2024

सह- शोध निर्देशक

प्रोफेसर (डॉ.) आर. डी. पासवान

अर्थशास्त्र विभाग, पूर्णिया कॉलेज, पूर्णिया

Scanned with OKEN Scanner

Ph.D. Thesis Evaluation Report

Name of the candidate: Deepa Bhatli

Subject: Homescience

Faculty: Social Sciences

Title of the Thesis: "मलिन बस्ती में रहने वाली श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य स्थिति (पूर्णिया जिला के विशेष संदर्भ में)"

Ref NO: पात्रांक - Exam/Conf/PRNU/1571/24 dt: 14.08.2024

Relevancy of the topic: यह शोध मलिन बस्ती में रहनेवाली श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य की स्थिति पर ध्यान आकृष्ट करने का एक सही अध्ययन है। इसके अन्तर्गत महत्वपूर्ण पहलुओं पर बल दिया गया है।

शोधार्थी ने अपने अध्ययन को सात भागों में बाँटकर अध्ययन किया है।

प्रथम भाग में भूमिका है जिसमें अध्ययन क्षेत्र की संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

दूसरे अध्याय में पूर्णिया जिला की महिला श्रमिकों के साथ ही साथ मलिन बस्ती में रहनेवाली महिला श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी तथ्यों पर प्रकाश डाला गया है।

तृतीय अध्याय में पिछली अर्थव्यवस्था दर्शाया गया है साथ ही शोधविधि (पृष्ठ-106) की चर्चा की गई है।

चतुर्थ अध्याय में श्रमिकों की घरेलू और संस्थागत कार्यों की स्थिति का वर्णन किया गया है। विभिन्न समस्याओं को उचित आँकड़ों के साथ वर्णित किया गया है।

पंचम अध्याय में विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान पर चर्चा की गई है जो स्पष्ट नहीं है।

षष्ठम अध्याय में इस बात पर और दिया गया है कि महिला श्रमिकों के लिए सरकार के द्वारा क्या-क्या सुविधाएँ प्रदान की गई हैं और इसके फायदे इनको किस हद तक मिल रहे हैं.

Scanned with OKEN Scanner

निष्कर्ष

सप्तम अध्याय में शोधार्थी ने आशंका और सुझाव दिए हैं जो पॉलिसी बनानेवाले के लिए एक स्केल होगा।

यद्यपि शोधार्थी ने गहन अध्ययन किया है फिर भी पूरे अध्ययन में कुछ त्रुटियाँ देखी गई हैं जो इस प्रकार हैं:

1. शोध ग्रंथ में कहीं भी अध्ययन के उद्देश्य नहीं लिखे गये हैं जो भयंकर भूल है, (सिर्फ Abstract में लिखा हुआ है) इसे ग्रंथ में लिखें।

2. पूर्णियाँ में मलिन बस्ती कहाँ-कहाँ हैं? वहाँ की महिला श्रमिकों की स्थिति लिखना है न कि पूर्णिया जिला की।

3. अध्ययन क्षेत्रों की समस्याओं के लिए सुझाव दें न कि पूर्णिया जिला के सभी क्षेत्रों के लिए।

4. पूर्णिया को राज्य लिखा गया है (पृष्ठ-4)। इसे सुधारें।

5. Bibliography — ~~Alphabetically &~~ Alphabetically & APA format में Arrange करें।

6. Content ~~&~~ formating (Chapterization) को ठीक किया जा सकता है।

शोध प्रकाशित उपरोक्त सुधारों को Thesis में संलग्न करने के बाद (किया जाय) ही मैं, पूनम कुमारी - शोधार्थी दीपा भारती को Ph.D. degree के लिए Recommend करती हूँ। (ये सुधार Departmental council के स्तर से ही करवाया जा सकता है)।

(External)
पूनम कुमारी
Prof. in Homescience
Patna University, Patna.

Scanned with OKEN Scanner